



दस राज्य

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



“स्वर्ग राज्य का शास्त्री” के लेख पृथ्वी के दस क्षेत्रों को संबोधित हैं और उन्हीं में बाँटे गए हैं, जिनके विषय में माना जाता है कि वे दानिय्येल भविष्यद्वक्ता की पुस्तक और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में वर्णित दस राज्य हैं।¹

बिशप बायर्स इन क्षेत्रों की कलीसियाओं को, सबको एक साथ या एक समय में एक क्षेत्र को, पवित्र आत्मा की अगुवाई के अनुसार संबोधित करते हैं। मसीह की सब कलीसियाओं को संबोधित लेख हर क्षेत्र के अंतर्गत सूचीबद्ध किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्र का पृष्ठ उन देशों के नाम बताता है जिनमें उसकी कलीसियाएँ पाई जाती हैं, और उन्हें संबोधित लेखों की सूची देता है। हर लेख इस वेबसाइट की हर भाषा में पढ़ा जा सकता है और PDF के रूप में डाउनलोड किया जा सकता है।

मसीह की सब कलीसियाओं के नाम

उप-सहारा अफ्रीका

चीन

दक्षिण एशिया

दक्षिण-पूर्व एशिया

पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया

प्रशांत

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका

यूरोप

लैटिन अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका



टिप्पणियाँ

पवित्रशास्त्र के उद्धरण इंडियन रिवाइज़्ड वर्शन (IRV) हिंदी 2019 से लिए गए हैं। ANF = Ante-Nicene Fathers (नीकिया-पूर्व पिता); NPNF2 = Nicene and Post-Nicene Fathers, Second Series (नीकिया और नीकिया-उत्तर पिता, द्वितीय श्रृंखला)।

1

दस राज्य पवित्रशास्त्र के निम्नलिखित अंशों में, और कलीसिया के उन पिताओं के लेखों में प्रस्तुत किए गए हैं जिन्होंने इन अंशों को अंतिम दिनों में दस राजाओं के बीच संसार के विभाजन के रूप में पढ़ा।

पवित्रशास्त्र

दानियेल 2:40–44 (IRV) “और चौथा राज्य लोहे के तुल्य मजबूत होगा; लोहे से तो सब वस्तुएँ चूर-चूर हो जाती और पिस जाती हैं; इसलिए जिस भाँति लोहे से वे सब कुचली जाती हैं, उसी भाँति, उस चौथे राज्य से सब कुछ चूर-चूर होकर पिस जाएगा। और तूने जो मूर्ति के पाँवों और उनकी उँगलियों को देखा, जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं, इससे वह चौथा राज्य बटा हुआ होगा; तो भी उसमें लोहे का सा कड़ापन रहेगा, जैसे कि तूने कुम्हार की मिट्टी के संग लोहा भी मिला हुआ देखा था। और जैसे पाँवों की उँगलियाँ कुछ तो लोहे की और कुछ मिट्टी की थीं, इसका अर्थ यह है, कि वह राज्य कुछ तो दृढ़ और कुछ निर्बल होगा। और तूने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा, इसका अर्थ यह है, कि उस राज्य के लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले-जुले तो रहेंगे, परन्तु जैसे लोहा मिट्टी के साथ मेल नहीं खाता, वैसे ही वे भी एक न बने रहेंगे। और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर, एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन् वह उन सब राज्यों को चूर-चूर करेगा, और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा;”

दानियेल 7:7–8 (IRV) “फिर इसके बाद मैंने स्वप्न में दृष्टि की और देखा, कि एक चौथा जन्तु है जो भयंकर और डरावना और बहुत सामर्थी है; और उसके बड़े-बड़े लोहे के दाँत हैं; वह सब कुछ खा डालता है और चूर-चूर करता है, और जो बच जाता है, उसे पैरों से रौंदता है। और वह सब पहले जन्तुओं से भिन्न है; और उसके दस सींग हैं। मैं उन सींगों को ध्यान से देख रहा था तो क्या देखा कि उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके बल से उन पहले सींगों में से तीन उखाड़े गए; फिर मैंने देखा कि इस सींग में मनुष्य की सी आँखें, और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह भी है।”

दानियेल 7:19–27 (IRV) ““तब मेरे मन में यह इच्छा हुई कि उस चौथे जन्तु का भेद भी जान लूँ जो और तीनों से भिन्न और अति भयंकर था और जिसके दाँत लोहे के और नख पीतल के थे; वह सब कुछ खा डालता, और चूर-चूर करता, और बचे हुए को पैरों से रौंद डालता था। फिर उसके सिर में के दस सींगों का भेद, और जिस नये सींग के निकलने से तीन सींग गिर गए, अर्थात् जिस सींग की आँखें और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह और सब और सींगों से अधिक भयंकर था, उसका भी भेद जानने की मुझे इच्छा हुई। “और मैंने देखा था कि वह सींग पवित्र

लोगों के संग लड़ाई करके उन पर उस समय तक प्रबल भी हो गया, जब तक वह अति प्राचीन न आया, और परमप्रधान के पवित्र लोग न्यायी न ठहरे, और उन पवित्र लोगों के राज्याधिकारी होने का समय न आ पहुँचा। “उसने कहा, ‘उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा राज्य है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा, और सारी पृथ्वी को नाश करेगा, और दाँवकर चूर-चूर करेगा। और उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे, और उनके बाद उन पहलों से भिन्न एक और राजा उठेगा, जो तीन राजाओं को गिरा देगा। और वह परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, और परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा, और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, वरन् साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे। परन्तु, तब न्यायी बैठेंगे, और उसकी प्रभुता छीनकर मिटाई और नाश की जाएगी; यहाँ तक कि उसका अन्त ही हो जाएगा। तब राज्य और प्रभुता और धरती पर के राज्य की महिमा, परमप्रधान ही की प्रजा अर्थात् उसके पवित्र लोगों को दी जाएगी, उसका राज्य सदा का राज्य है, और सब प्रभुता करनेवाले उसके अधीन होंगे और उसकी आज्ञा मानेंगे।”

प्रकाशितवाक्य 12:3 (IRV) “एक और चिन्ह स्वर्ग में दिखाई दिया, एक बड़ा लाल अजगर था जिसके सात सिर और दस सींग थे, और उसके सिरों पर सात राजमुकुट थे।”

प्रकाशितवाक्य 12:18–13:1 (IRV) “और वह समुद्र के रेत पर जा खड़ा हुआ। मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस सींग और सात सिर थे। उसके सींगों पर दस राजमुकुट, और उसके सिरों पर परमेश्वर की निन्दा के नाम लिखे हुए थे।”

प्रकाशितवाक्य 17:3 (IRV) “तब वह मुझे पवित्र आत्मा में जंगल को ले गया, और मैंने लाल रंग के पशु पर जो निन्दा के नामों से भरा हुआ था और जिसके सात सिर और दस सींग थे, एक स्त्री को बैठे हुए देखा।”

प्रकाशितवाक्य 17:7 (IRV) “उस स्वर्गदूत ने मुझसे कहा, “तू क्यों चकित हुआ? मैं इस स्त्री, और उस पशु का, जिस पर वह सवार है, और जिसके सात सिर और दस सींग हैं, तुझे भेद बताता हूँ।”

प्रकाशितवाक्य 17:12–14 (IRV) “जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे। “ये मेम्ने से लड़ेंगे, और मेम्ना उन पर जय पाएगा; क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है, और जो बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासयोग्य हैं, उसके साथ हैं, वे भी जय पाएँगे।”

प्रकाशितवाक्य 17:16–17 (IRV) “और जो दस सींग तूने देखे, वे और पशु उस वेश्या से बैर रखेंगे, और उसे लाचार और नंगी कर देंगे; और उसका माँस खा जाएँगे, और उसे आग में जला देंगे। क्योंकि परमेश्वर उनके मन में यह डालेगा कि वे उसकी मनसा पूरी करें; और जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हो लें, तब तक एक मन होकर अपना-अपना राज्य पशु को दे दें।”

कलीसिया के पिता

बरनबास की पत्नी 4.4–6 (Michael W. Holmes, संपादक और अनुवादक, *The Apostolic Fathers: Greek Texts and English Translations*, तृतीय संस्करण [Grand Rapids: Baker Academic, 2007], 387–89) “और इसी प्रकार भविष्यद्वक्ता भी कहते हैं: ‘दस राज्य पृथ्वी पर राज्य करेंगे, और उनके बाद एक छोटा राजा उठेगा, जो एक ही प्रहार से राजाओं में से तीन को अधीन कर लेगा।’ इसी प्रकार दानियेल उसी के विषय में कहते हैं: ‘और मैंने चौथे पशु को देखा, जो दुष्ट और शक्तिशाली और पृथ्वी के सब पशुओं से अधिक भयानक था, और देखा कि उससे दस सींग निकले, और उनमें से सींग का एक छोटा अंकुर निकला, और कि उसने एक ही प्रहार से बड़े सींगों में से तीन को अधीन कर लिया।’ इसलिए तुम्हें समझना चाहिए।” (Holmes के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.25.3 (ANF 1:553–54) “दानियेल भी, अंतिम राज्य के अंत की ओर, अर्थात् उन अंतिम दस राजाओं की ओर दृष्टि करते हुए, जिनके बीच उन मनुष्यों का राज्य बाँटा जाएगा, और जिन पर विनाश का पुत्र आएगा, घोषणा करते हैं कि उस पशु से दस सींग निकलेंगे, और उनके बीच एक और छोटा सींग उठेगा, और पहले वालों में से तीन उसके सामने जड़ से उखाड़े जाएँगे। ... और उसके दस सींग दस राजा हैं जो उठेंगे; और उनके बाद एक और उठेगा, जो बुरे कामों में अपने से पहले के सब से बढ़कर होगा, और तीन राजाओं को उलट देगा ...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.26.1 (ANF 1:554–55) “यूहन्ना ने प्रकाशितवाक्य में प्रभु के चेलों को और भी स्पष्ट प्रकाश में बताया है कि अंत के समयों में क्या होगा, और उन दस राजाओं के विषय में जो तब उठेंगे, जिनके बीच वह साम्राज्य, जो अभी [पृथ्वी पर] शासन करता है, बाँटा जाएगा। ... इसलिए यह अवश्य है कि राज्य, नगर और घराना दस भागों में बँट जाए; और इसी कारण उन्होंने [होने वाले] बँटवारे और विभाजन का पहले से ही पूर्वाभास दे दिया है। ... इसलिए पाँवों की दस उँगलियाँ ये दस राजा हैं, जिनके बीच राज्य बाँटा जाएगा, जिनमें से कुछ तो बलवान और सक्रिय, या उद्यमी होंगे; और दूसरे सुस्त और निकम्मे होंगे, और आपस में सहमत न होंगे ...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.30.2 (ANF 1:559) “परन्तु पवित्रशास्त्र द्वारा घोषित निश्चित संख्या को, अर्थात् छः सौ छियासठ को, जानते हुए, वे पहले तो राज्य के दस भागों में विभाजन की प्रतीक्षा करें; फिर उसके बाद, जब ये राजा राज्य कर रहे हों, और अपने कार्यों को व्यवस्थित करने और अपने राज्य को बढ़ाने लगे हों, तब [वे सीखें कि] यह पहचानें कि जो राज्य को अपने लिए माँगता हुआ आया ... वह सचमुच उजाड़नेवाली घृणित वस्तु है।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध 25 (ANF 5:209) “‘एक चौथा पशु, डरावना और भयानक; उसके दाँत लोहे के और नख पीतल के थे।’ और ये रोमियों के सिवा और कौन हैं? ... और पाँवों की उँगलियों से उन्होंने रहस्यमय रूप से उन राजाओं का अर्थ लिया जो उनके बीच से उठने वाले हैं; जैसा दानिय्येल भी (इन शब्दों में) कहते हैं: ‘मैंने उस पशु पर ध्यान दिया, और देखो, उसके पीछे दस सींग थे, जिनके बीच एक और (सींग), एक अंकुर, उठेगा, और अपने से पहले के तीन (सींगों) को जड़ से उखाड़ देगा।’ और इसके द्वारा मसीह-विरोधी के सिवा और किसी का संकेत नहीं किया गया ...” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध 27–28 (ANF 5:209–10) “सो जब ये बातें भविष्य में हैं, और मूर्ति के पाँवों की दस उँगलियाँ (उतने ही) लोकतंत्रों के बराबर हैं, और चौथे पशु के दस सींग दस राज्यों में बँटे हुए हैं, तो आइए हम इस विषय को थोड़ा और ध्यान से देखें ... लोहे की टाँगें, और वह डरावना और भयानक पशु, रोमियों को सूचित करते थे, जो इस समय प्रभुता रखते हैं; पाँवों की उँगलियाँ, जो कुछ मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं, और दस सींग, उन राज्यों के प्रतीक थे जो अभी उठने वाले हैं; और उनके बीच बढ़ने वाला वह दूसरा छोटा सींग उनके बीच के मसीह-विरोधी को सूचित करता था ...” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध 52 (ANF 5:215) “और जब वह युद्ध की व्यूह-रचना में दस में से तीन सींगों को परास्त कर चुकेगा, और उन्हें, अर्थात् मिस्र, लीबिया और इथियोपिया को, जड़ से उखाड़ चुकेगा, और उनकी लूट और साज-सामान ले चुकेगा, और बचे हुए सींगों को, जो दुःख उठाते हैं, अपने अधीन कर चुकेगा, तब वह मन में घमंड करने लगेगा, और सारे संसार का स्वामी बनकर परमेश्वर के विरुद्ध अपने आप को ऊँचा करेगा।” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

हिप्पोलिटस, दानिय्येल पर अंश 2.7 (ANF 5:179) “जब समय पूरे होंगे, और अंतिम (समयों) में उस पशु से दस सींग निकलेंगे, तब मसीह-विरोधी उनके बीच प्रकट होगा।” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

हिप्पोलिटस, दानिय्येल पर टीकाएँ, दानिय्येल 7:7 पर (ANF 5:189) “‘और उसके दस सींग थे।’ क्योंकि जैसे भविष्यद्वक्ता ने पहले ही चीते के विषय में कहा था कि उस पशु के चार सिर थे, और वह पूरा हुआ, और सिकंदर का राज्य चार रियासतों में बँट गया, वैसे ही अब हमें उन दस सींगों की बात जोहनी चाहिए जो उससे निकलने वाले हैं, जब पशु का समय पूरा होगा, और वह छोटा सींग, जो मसीह-विरोधी है, अचानक उनके बीच प्रकट होगा ...” (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

तर्तुलियन, देह के पुनरुत्थान पर 24 (ANF 3:563) “रोमी राज्य के सिवा और कौन-सी बाधा है, जिसका पतन, दस राज्यों में बिखर जाने के द्वारा, मसीह-विरोधी को (उसके अपने खंडहरों पर) ले जाएगा?” (ANF 3 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

लैक्टेंटियस, दिव्य संस्थाएँ 7.16 (ANF 7:213) “पहले, राज्य बढ़ाया जाएगा, और सर्वोच्च सत्ता, बहुतों में बिखरकर और बँटकर, घट जाएगी। तब निरंतर गृह-कलह के बीज बोए जाएँगे; और घातक युद्धों से कोई विश्राम न होगा, जब तक कि एक ही समय में दस राजा न उठें, जो संसार को शासन करने के लिए नहीं, बल्कि उसे निगल जाने के लिए आपस में बाँट लेंगे।” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

लैक्टेंटियस, दिव्य संस्थाओं का सार 71 (ANF 7:253) “राजसत्ता बहुगुणित होगी, और दस पुरुष संसार पर अधिकार करेंगे, उसे आपस में बाँटेंगे और निगल जाएँगे।” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

पेटाउ के विक्टोरिनस, प्रकाशितवाक्य पर टीका, अध्याय 12 पर (ANF 7:355) “‘और दस सींग।’] वे कहते हैं कि अंतिम समयों के दस राजा वही हैं जो ये हैं, जैसा हम वहाँ और विस्तार से बताएँगे।” (ANF 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

यरूशलेम के सिरिल, धर्मशिक्षा व्याख्यान 15.12 (NPNF2 7:107) “परन्तु यह उपर्युक्त मसीह-विरोधी तब आएगा जब रोमी साम्राज्य के समय पूरे हो चुके होंगे, और संसार का अंत अब निकट आ रहा होगा। रोमियों के दस राजा एक साथ उठेंगे, जो शायद अलग-अलग भागों में, परन्तु सब लगभग एक ही समय में राज्य करेंगे; और इनके बाद एक ग्यारहवाँ, अर्थात् मसीह-विरोधी, जो अपनी जादुई चतुराई से रोमी सत्ता को हथिया लेगा; और उससे पहले राज्य करने वाले राजाओं में से वह तीन को नीचा करेगा, और शेष सात को अपने अधीन रखेगा।” (NPNF2 7 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित)

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017/। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।